संख्या-39/2015/1122/26-3-2015-50(एस0एन0डी0)/03

प्रेषक,

विजय प्रसाद त्रिपाठी,

अनुसचिव,

उत्तर प्रदेश शासन ।

सेवा में,

निदेशक,

जनजाति विकास,

उ0प्र0, लखनऊ।

समाज कल्याण अनुभाग-3 लखनऊः दिनांक 12 मई, 2015

विषयः चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-81 के अंतर्गत आयोजनागत पक्ष की योजना अनुसूचित जनजाति की छात्राओं हेतु यूनीफार्म एवं बाइसिकिल अनुदान योजना हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशालय, जनजाति विकास के पत्रांक-24/ज.जा.वि./2015-16, दिनांक 16-04-2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-2/2015/बी-1-925/दस-2015-231/2015, दिनांक 30 मार्च 2015 जो समस्त विभागाध्यक्ष उ0प्र0 को भी पृष्ठांकित है, में दी गयी व्यवस्था के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-81 के अंतर्गत आयोजनागत पक्ष की योजना ''अनुसूचित जनजाति के छात्राओं हेतु यूनीफार्म एवं बाइसिकिल अनुदान'' के अंतर्गत किये गये आय-व्ययक प्राविधान रूपया-80.00 लाख के सापेक्ष रू0- 40,00,000/-(रूपये चालीस लाख मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तो एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

(1) उक्त योजना के अंतर्गत यूनीफार्म एवं लेडीज बाइसिकिल की स्वीकृति शासनादेश संख्या-यू.ओ.-337/26-ब0प्र0-2004-50 (एस.एन.डी.)/2003, दिनांक-30-6-2004 के साथ संलग्न निर्धारित प्रारूप (संलग्नक-1) पर प्रार्थना पत्र प्राप्त होने के उपरान्त इस हेतु जारी दिशा-निर्देश (संलग्नक-2) अनुसार शिक्षा सत्र 2015-16 की छात्राओं के लिए किया जायेगा। जिन छात्राओं को शिक्षा विभाग द्वारा संचालित सावित्रीबाई फुले बालिका शिक्षा मदद योजना के अन्तर्गत लाभ प्राप्त हो जायेगा, उन्हें इस योजना से पुनः लाभान्वित नहीं किया जायेगा।

(2) उपर्युक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय यूनीफार्म एवं बाइसिकिल अनुदान हेतु निर्गत दिशा निर्देशों/वित्तीय नियमों/प्रतिबंधों तथा इस संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

(3) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय किये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जायेगा कि इससे पूर्व, पूर्व में स्वीकृत कोई भी धनराशि पी0एल0ए0/ बैंक/ डिपाजिट आदि खातों में अवशेष धनराशि जमा नहीं है और पूर्व में स्वीकृत धनराशि का सम्पूर्ण उपयोग कर लिया गया है तथा व्यय की गयी धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया गया है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

(4) गत वित्तीय वर्ष में स्वीकृत की गयी/स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि की वित्तीय एवं प्राप्त भौतिक लक्ष्यों की सूचना के साथ उपभोग प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के पश्चात ही अवशेष अवधि की स्वीकृत का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जायेगा ।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष कोषागार से उतनी ही धनराशि का आहरण किया जायेगा, जितनी धनराशि की तत्काल व्यय किये जाने की आवश्यकता हो। अधिक धनराशि का आहरण किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा और पी0एल0ए0, बैंक, डाकखानों आदि खातो में नहीं रखी जायेगी।

2- उपर्युक्त योजना मद पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान सं0-81 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-'2225- अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गो का कल्याण-आयोजनागत-02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना-12-अनुसूचित जनजाति की छात्राओं हेतु यूनीफार्म एवं बाइसिकिल अनुदान-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)' के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-2/2015/बी-1-925/दस-2015-231/2015, दिनांक 30 मार्च 2015 में निहित व्यवस्था के अधीन जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय

विजय प्रसाद त्रिपाठी
अनुसचिव

पृ0संख्या-39/2015/1122(1)/26-3-2015-तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं हकदारी/लेखापरीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
2. कोंषाधिकारी जवाहर भवन, लखनऊ।
3. राज्य योजना आयोग 1/2/बजट प्रकोष्ठ/कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ।
4. वित्त (व्यय-नियत्रंण) अनुभाग-3/ वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-1/2
5. निदेशक, एन0आई0सी0, योजना भवन, लखनऊ।
6. गार्डफाइल/इन्टरनेट प्रति।

आज्ञा से

विजय प्रसाद त्रिपाठी
अनुसचिव

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in